प्रेस विज्ञप्ति

चिकित्सा विश्वविद्यालय के गांधी स्मॉरक एवं सम्बंध चिकित्सालयों में मरीजो के कल्याण हेतु उच्च गुणवत्ता की जेनरिक औषधि तथा चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराने हेतु भारत सरकार के द्वारा अधिकृत अमृत फार्मेसी (Affordable medication to reliable important for treatment) के साथ चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा अनुबंध किया गया है। उक्त अनुबंध के तहत आज दिनांक 21 अगस्त, 2017 को संस्थान के पुरानी ओ0पी0डी0 भवन और शताब्दी फेज–1 अस्पताल में दो अमृत फार्मेसी केन्द्र का उद्धाटन माननीय मंत्री स्वाथ्य एवं परिवार कल्याण, भारत सरकार, श्री जगत प्रकाश नड्डा द्वारा शिमला, हिमांचल प्रदेश से वीडियो कान्फ्रेंसिंग द्वारा किया गया। इस अवसर पर चिकित्सा विश्वविद्यालय के कलाम सेण्टर में उ0प्र0 सरकार के मा0 चिकित्सा शिक्षा एवं प्राविधिक शिक्षा मंत्री श्री आशुतोष टण्डन जी, अपर मुख्य सचिव एवं प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, डॉ0 अनिता भटनागर जैन जी, संस्थान के कुलपति प्रो0 मदनलाल ब्रह्म भट्ट जी, सी0एम0एस0 प्रो0 एस0एन0शंखवार, एम0एस0, प्रो0 विजय कुमार, कुलसचिव श्री राजेश कुमार रॉय, कुलानुशासक प्रो0 आर0ए0एस0 कुशवाहा, के0जी0एम0यू0 अमृत फार्मेसी के प्रभारी प्रो0 अजय सिंह, एवं अमृत फार्मेसी से श्री योगेन्द्र सहित चिकित्सा विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष और संकाय सदस्यों के साथ एम0बी0बी0एस0 के छात्र एवं छात्रायों उपस्थित रही।

कैंसर और कार्डियो वैस्कुलर तथा अन्य रोगों से ग्रसित मरीजों को कम दरों पर औषधि तथा अन्य सर्जिकल उत्पादों को उपलब्ध कराने के दृष्टिकोंण से भारत सरकार के केंद्रीय स्वाथ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा एक महान योजना अमृत फार्मेसी का शुभारम्भ किया गया है। इस योजना के तहत प्रथम अमृत फार्मेसी की स्थापना एम्स नई दिल्ली में दिनांक 15 नवम्बर, 2015 को किया गया। इस परियोजना का संचालन भारत सरकार के स्वामित्व वाली एच0एल0एल0 लाइफकेयर लिमिटेड के सहयोग से किया जा रहा है, जो देश भर में अमृत फार्मेसियों की श्रृखंला की स्थापना और संचालन करने के लिए प्राधिकृत है।

ज्ञात हो कि मा0 चिकित्सा शिक्षा मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्री आशुतोष टण्डन जी ने प्रदेश के समस्त चिकित्सालयों को उच्च कोटि की गुणवत्ता वाली जेनरिक दवायें उपलब्ध कराने के निर्देश निर्गत किये थे, उसके अनुपालन में यह अनुबंध चिकित्सा विश्वविद्यालय द्वारा किया गया है। उत्तर प्रदेश में अमृत फार्मेसी का यह सरकारी उपक्रमों मे पहला प्रयोग होगा। एम्स जैसी संस्थाओं मे यह फार्मेसी पहले से ही कार्यरत है।

कार्यक्रम में मा0 चिकित्सा एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार श्री जे0पी0 नड्डा जी ने कहा कि अमृत फार्मेसी की श्रृंखला में अबतक कुल 84 फार्मेसीयों को भारत सरकार के विभिन्न चिकित्सालयों में स्थापित किया जा चुका है जिसकी संख्या आज बढ़कर कुल 100 हो जायेंगी। उन्होनें कहा कि हम दुनिया के फार्मेसी उत्पाद बानने वाले में तीसरे स्थान पर है किन्तु हमारी अपनी फार्मेसी की दशा काफी चिंता जनक है। इस फार्मेसी में हम कैंसर के 164 दवाओं, कार्डियक की 191 दवाओं सहित कुल मिलाकर 5200 दवायें 50 से 90 प्रतिशत कम दरों पर उपलब्ध है। जिस स्टॅण्ट की कीमत 1 लाख थी उसे हम 12000 मे उपलब्ध

करा रहे है। घुटने को ट्रांसप्लांट करने में लगने वाले 2.5 लाख के टाइटेनियम घुटने को हम 65 हजार में उपलब्ध करा रहे है।

कार्यक्रम में अपर प्रमुख सचिव डॉ0 अनिता भटनागर जैन ने कहा कि चिकित्सा विश्वविद्यालय में स्थापित होने वाला अमृत फार्मेसी का यह केन्द्र उत्तर प्रदेश सरकार के अधीन उपक्रमो में यह प्रथम केन्द्र है। इस अमृत फार्मेसी के केन्द्र से सरकार की नीति के अनुसारी मरीजो को सस्ती से सस्ती दवां मिलेंगी। यह मरीजो के हित के लिए बहुत अच्छा प्रयास है।

कार्यक्रम में चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो0 एम0एल0बी0 भट्ट ने कहा कि आज विश्वविद्यालय की ही नही बल्कि पुरे देश की यह एक प्रगतिशिल यात्रा का आरम्भ है। क्यूंकी 70 प्रतिशत मरीजो को अपने इलाज के लिए अपने बजट से ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ते थे। इस फार्मेसी की वजह से अब उन्हे कम से कम दवा पर पैसे खर्च करने पड़ेगे। इस फार्मेसी की वजह से जेनरीक दवायें भी 60–70 प्रतिशत कम मुल्य पर मिलेंगी। यह फार्मेसी अपने नाम के अनुरूप ही मरीजो को जीवन देने वाला है।

कार्यक्रम में मा0 चिकित्सा शिक्षा एवं प्राविधिक शिक्ष मंत्री श्री आशुतोष टण्डन जी ने श्री जे0पी0 नड्डा जी से चिकित्सा विश्वविद्यालय सहित प्रदेश में और भी जगहों पर यह फार्मेसी खोलने का अग्रह किया गया । इस आग्रह को स्वीकार करते हुये श्री जे0पी0 नड्डा जी ने कहा कि आप हमे चिकित्सालयों मे स्थान उपलब्ध करायें हम और भी अमृत फार्मेसी उत्तर प्रदेश मे खोल देंगे।

उक्त फार्मेसी में कैंसर तथा अन्य गंभीर रोगो की औषधि , बहुत ही कम दरों पर उपलब्ध हो सकेगी। वर्तमान में देश के 17 राज्यों तथा केन्द्र शासित प्रदेशो में कुल 84 अमृत फर्मेसी कार्य कर रही है। उक्त फार्मेसी में 164 कैंसर की दवाये तथा 191 कार्डियो वैस्कुलर दवायें, 360 प्रकार के कार्डियक और आर्थो इम्प्लांट्स सहित 5200 दवायें तथा सर्जिकल उत्पाद उपलब्ध होगें।

चिकित्सा विश्वविद्यालय स्थित कार्यक्रम में मंच का संचालन प्रो0 अजय सिंह द्वारा किया गया।

(प्रो0 नरसिंह वर्मा)
संकाय प्रभारी, मीडिया सेल
चिकित्सा संकाय, केजीएमयू

(प्रो0 विभा सिंह)
संकाय प्रभारी मीडिया सेल
दंत संकाय, केजीएमयू